Q.1) भारत में शैक्षणिक संस्थानों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. कलकत्ता मदरसा - लॉर्ड वेलेजली
2. संस्कृत कॉलेज - जोनाथन डंकन
3. फोर्ट विलियम कॉलेज - वॉरेन हेस्टिंग्स

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 3
d) केवल 1 और 3

Q.1) Solution (b)

कथन 1	कथन 2	कथन 3
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
कलकत्ता मदरसा की स्थापना वारेन हेस्टिंग्स ने 1781 में मुस्लिम कानून और संबंधित विषयों के अध्ययन के लिए की थी।	संस्कृत कॉलेज की स्थापना 1791 में बनारस रेजिडेंट जोनाथन डंकन द्वारा हिंदू कानून और दर्शन के अध्ययन के लिए की गई थी।	फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 1800 में वेलेज़ली द्वारा कंपनी के सिविल सेवकों के प्रशिक्षण में भारतीयों की भाषाओं और रीति-रिवाजों (1802 में बंद) को जानने के लिए स्थापित किया गया था।

Q.2) नर्केल्बेरिया विद्रोह (Narkelberia Uprising) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मीर निसार अली ने मुख्य रूप से बंगाल में हिंदू जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया।
2. विद्रोह बाद में पागल पंथी आंदोलन में विलीन हो गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.2) Solution (a)

कथन 1	कथन 2

सत्य	असत्य
सैयद मीर निसार अली, या टीटू मीर एक किसान नेता थे, जिन्होंने बंगाल में जमींदारों और ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों के विरुद्ध नर्केल्बेरिया विद्रोह (1782-1831) का नेतृत्व किया था। उन्होंने नर्केल्बेरिया में बांस के किले का निर्माण किया तथा ब्रिटिश प्रशासन से स्वतंत्रता की घोषणा की। उन्होंने उन हिंदू जमींदारों के विरुद्ध भी लड़ाई लड़ी, जिन्होंने फरैज़ियों पर दाढ़ी-कर लगाया था।	टीटू मीर ने पश्चिम बंगाल में मुस्लिम रैयतों को प्रेरित किया। विद्रोह बाद में वहाबी आंदोलन में विलीन हो गया था।

Q.3) भारत में जाति उन्मूलन के लिए की गई पहलों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. गांधीजी ने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।
2. डॉ. अंबेडकर ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन की स्थापना की थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.3) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	**असत्य**
गांधीजी ने अस्पृश्यता को मूल से और सभी प्रकार से उन्मूलन के उद्देश्य को सदैव ध्यान में रखा था। उनके विचार मानवतावाद और तर्क के आधार पर आधारित थे। उन्होंने तर्क दिया कि शास्त्रों ने अस्पृश्यता को मंजूरी नहीं दी है तथा यदि दिया है, तो भी उन्हें नजरअंदाज किया जाना चाहिए क्योंकि सत्य को एक पुस्तक के कवर के भीतर सीमित नहीं किया जा सकता है। 1932 में उन्होंने अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ की स्थापना की।	बाबा साहब अम्बेडकर, जिन्होंने बचपन में जातिवादी भेदभाव के वीभत्स रूप का अनुभव किया था, ने जीवन भर उच्च जाति के अत्याचार के विरुद्ध लड़ाई लड़ी। उन्होंने ऑल इंडिया शेड्यूल्ड कास्ट्स फेडरेशन का आयोजन किया, जबकि दलित वर्गों के कई अन्य नेताओं ने ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन की स्थापना की। ऑल इंडिया डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन का गठन 1926 में नागपुर में किया गया था जिसके एम. सी. राजा प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष थे।

Q.4) सर सैयद अहमद खान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जिन्होंने अलीगढ़ आंदोलन आरंभ किया था:

1. वे ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा के सदस्य थे।
2. उन्होंने कुरान पर पश्चिमी शिक्षा को वरीयता दी।
3. उनके द्वारा मुसलमानों की राजनीतिक गतिविधियों का समर्थन किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 3
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.4) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**असत्य**
एक सम्मानित मुस्लिम परिवार में जन्म लिए सैयद अहमद खान (1817-1898) ब्रिटिश सरकार की न्यायिक सेवा के एक निष्ठावान सदस्य थे। 1876 में सेवानिवृत्ति के बाद, वह 1878 में इंपीरियल लेजिस्लेटिव कौंसिल के सदस्य बने।	वह पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा का कुरान की शिक्षाओं के साथ सामंजस्य बनाना चाहते थे, जिनकी व्याख्या समकालीन तर्कवाद और विज्ञान के प्रकाश में की जानी थी, हालांकि उन्होंने कुरान को सर्वोच्च सत्ता भी माना था।	राजनीति में सक्रिय भागीदारी के संबंध में, उन्होंने महसूस किया कि यह मुस्लिम जनता के प्रति सरकार की शत्रुता को आमंत्रित करेगी। इसलिए, उन्होंने मुसलमानों द्वारा राजनीतिक गतिविधियों का विरोध किया।

Q.5) भारत में पोर्टफोलियो प्रणाली किसके द्वारा आरंभ किया गया था

a) जॉन लॉरेंस
b) लॉर्ड हार्डिंग प्रथम
c) लॉर्ड लिटन
d) लॉर्ड कैनिंग

Q.5) Solution (d)

- लॉर्ड कैनिंग, जो उस समय गवर्नर-जनरल (1856-57) और वायसराय (1858-62) थे, ने पोर्टफोलियो प्रणाली की शुरुआत की। इस प्रणाली में, प्रत्येक सदस्य को एक विशेष विभाग का एक पोर्टफोलियो सौंपा गया था।
- 1861 के भारतीय परिषद अधिनियम के तहत, वायसराय को परिषद में कार्य संचालन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए नियम बनाने और आदेश देने का अधिकार दिया गया था, जिसने 1859 में लॉर्ड कैनिंग द्वारा प्रस्तुत 'पोर्टफोलियो प्रणाली' को मान्यता दी थी।
- पोर्टफोलियो प्रणाली के अनुसार वायसराय की परिषद के एक सदस्य को सरकार के एक या अधिक विभागों का प्रभारी बनाया गया था तथा वह अपने विभाग के मामलों पर परिषद की ओर से अंतिम आदेश जारी करने के लिए अधिकृत था।

Q.6) निम्नलिखित में से कौन सी विशेषताएँ, भारत में सुशासन के लिए अधिनियम, 1858 से संबंधित हैं?

1. भारत को एक राज्य सचिव के माध्यम से और राज्य सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद के द्वारा क्राउन के नाम से शासित किया जाना था।
2. इसने बोर्ड ऑफ कंट्रोल और कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।
3. भारत के गवर्नर-जनरल, पदेन (ex-officio) राज्य सचिव बने।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2
c) केवल 2 और 3
d) केवल 1 और 3

Q.6) Solution (b)

- भारत सरकार अधिनियम,1858 के प्रावधान।
    - यह प्रावधान प्रदान करता है कि भारत को 'महामहिम और उनके नाम पर' उसके द्वारा शासित किया जाना था।
    - इसने भारत के गवर्नर-जनरल के पदनाम को भारत के वायसराय में परिवर्तित कर दिया। वे (वायसराय) भारत में ब्रिटिश क्राउन के प्रत्यक्ष प्रतिनिधि थे। इस प्रकार लॉर्ड कैनिंग भारत के पहले वाइसराय बन गए। एक कार्यकारी परिषद द्वारा वायसराय की सहायता की जानी थी।
    - इसने एक नया कार्यालय, भारत के राज्य सचिव, बनाया जो पूर्ण अधिकार के साथ निहित तथा जिसका भारतीय प्रशासन पर नियंत्रण था।
    - इसने भारत के राज्य सचिव की सहायता के लिए भारत की 15 सदस्यीय परिषद की स्थापना की। परिषद एक सलाहकारी निकाय था। राज्य सचिव को परिषद का अध्यक्ष बनाया गया था।

- इसने एक कॉरपोरेट निकाय के रूप में स्टेट-इन-काउंसिल के सचिव का गठन किया, जो भारत में और इंग्लैंड में मुकदमा चलाने में सक्षम था।
- वह ब्रिटेन में ब्रिटिश सरकार और भारतीय प्रशासन के बीच संचार का माध्यम भी था। वह अपनी परिषद की सलाह के बिना भारत में गुप्त प्रेषण भेजने की शक्ति भी रखता था।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
भारत को 15 सदस्यीय भारतीय परिषद द्वारा सहायता प्राप्त राज्य सचिव के माध्यम से क्राउन के नाम से शासित किया जाना था। भारत में वायसराय की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद थी।	अधिनियम ने बोर्ड ऑफ़ कंट्रोल और कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स को समाप्त करके दोहरी सरकार की प्रणाली को समाप्त कर दिया।	राज्य सचिव ब्रिटिश कैबिनेट का सदस्य था तथा अंततः ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी था।

Q.7) निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग किया?

a) चार्टर एक्ट, 1813
b) चार्टर एक्ट, 1833
c) चार्टर एक्ट, 1853
d) भारतीय परिषद अधिनियम, 1861

Q.7) Solution (c)

1853 के चार्टर अधिनियम की विशेषताएं:

- इस **अधिनियम ने पहली बार गवर्नर-जनरल की परिषद के विधायी और कार्यकारी कार्यों को अलग किया**। इसने विधान परिषद के छह नए सदस्यों को परिषद में शामिल करने का प्रावधान किया।
- दूसरे शब्दों में, इसने एक गवर्नर-जनरल की अलग विधान परिषद की स्थापना की, जिसे भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद के रूप में जाना जाता है। परिषद के इस विधायी विंग ने ब्रिटिश संसद के समान प्रक्रियाओं को अपनाते हुए एक लघु-संसद के रूप में कार्य किया। इस प्रकार, कानून बनाना, पहली बार सरकार के एक विशेष कार्य के रूप में माना गया था, जिसको विशेष मशीनरी और विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता थी।

- इसने सिविल सेवकों के चयन और भर्ती की एक खुली प्रतियोगिता प्रणाली शुरू की। इस प्रकार नागरिक सेवा को भारतीयों के लिए भी खोल दिया गया। तदनुसार, मैकाले समिति (भारतीय सिविल सेवा समिति) 1854 में नियुक्त की गई थी।
- इसने कंपनी के नियम को विस्तृत किया तथा इसे ब्रिटिश क्राउन के विश्वास पर भारतीय क्षेत्रों पर अधिकार को बनाए रखने की अनुमति दी।
- इसने पहली बार भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद में स्थानीय प्रतिनिधित्व दिया।

Q.8) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	आंदोलन	**नेतृत्वकर्ता**
1.	वायकोम सत्याग्रह	के.पी. केशव
2.	अरुविप्पुरम आंदोलन	श्री नारायण गुरु
3.	जस्टिस आंदोलन	ई. वी. रामास्वामी नायकर

ऊपर दिए गए युग्मों में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.8) Solution (a)

युग्म 1	**युग्म 2**	**युग्म 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
1924 में, वायकोम सत्याग्रह का नेतृत्व के.पी. केशव द्वारा केरल में आरंभ किया गया था, जो अछूतों के लिए हिंदू मंदिरों और सड़कों को खोलने की मांग कर रहा था। के. केलप्पन ने प्रसिद्ध	1888 के शिवरात्रि के दिन श्री नारायण गुरु द्वारा अराविपुरम आंदोलन आरंभ किया गया था। उस दिन, श्री नारायण गुरु ने एझवा समुदाय पर पारंपरिक रूप से लगाए गए धार्मिक प्रतिबंधों की अवहेलना की, तथा अराविपुरम में शिव	मद्रास प्रेसीडेंसी में जस्टिस आंदोलन की शुरुआत सी.एन. मुदलियार, टी.एम. नायर और पी. त्यागराज, विधायिका में गैर-ब्राह्मणों के लिए नौकरियों और प्रतिनिधित्व को सुरक्षित करने के

वायकोम सत्याग्रह में भी प्रमुख भूमिका निभाई थी तथा 1932 में गुरुवायुर सत्याग्रह के नेता थे।	की एक मूर्ति प्रतिष्ठित की। इसने प्रसिद्ध कवि कुमारन आसन को नारायण गुरु के शिष्य के रूप में आकर्षित किया।	लिए किया था।

Q.9) थियोसोफिकल सोसायटी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. उन्होंने आत्मा के स्थानांतरगमन (transmigration of the soul) के सिद्धांत को मान्यता दी।
2. इसकी स्थापना मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल एच.एस. ओलकोट ने 1875 में न्यूयॉर्क में की थी।
3. इसने पुणे के पास अडयार में सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.9) Solution (a)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**सत्य**	**असत्य**
थियोसोफिस्टों ने हिंदू धर्म, पारसी धर्म और बौद्ध धर्म के प्राचीन धर्मों के पुनरुद्धार और सुदृढ़ता की वकालत की। उन्होंने आत्मा के स्थानांतरगमन (transmigration) के सिद्धांत को मान्यता दी तथा उन्होंने मनुष्य के सार्वभौमिक भाईचारे का भी प्रचार किया।	थियोसोफिकल सोसाइटी की स्थापना 1875 में मैडम ब्लावात्स्की और कर्नल ओलकोट ने न्यूयॉर्क में की थी। 1888 में श्रीमती एनी बेसेंट इंग्लैंड में सोसाइटी में शामिल हुईं। उनकी सदस्यता समाज के लिए सबसे बड़ी संपत्ति साबित हुई।	जनवरी 1879 में संस्थापक भारत पहुंचे तथा मद्रास के पास अडयार में सोसायटी का मुख्यालय स्थापित किया।

Q.10) ईश्वर चंद्र विद्यासागर के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. एक प्रधानाध्यापक के रूप में, उन्होंने पश्चिमी विचार के साथ-साथ गैर-ब्राह्मण छात्रों के लिए संस्कृत कॉलेज के द्वार खोले।

2. उन्होंने 19 वीं शताब्दी के मध्य में विधवा पुनर्विवाह संघ की स्थापना की।
3. उन्होंने महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा को भी बढ़ावा दिया तथा बहुविवाह के विरुद्ध अभियान चलाया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.10) Solution (c)

ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820 - 91)

- उनका जन्म ईश्वर चंद्र बंद्योपाध्याय के रूप में हुआ था।
- वह एक भारतीय बंगाली विद्वान तथा बंगाल पुनर्जागरण के प्रमुख व्यक्तित्वों में से एक थे।
- वे एक दार्शनिक, अकादमिक शिक्षक, लेखक, अनुवादक, मुद्रक, प्रकाशक, उद्यमी, सुधारक और परोपकारी थे।
- वर्ष 1839 में, विद्यासागर ने सफलतापूर्वक अपनी कानून परीक्षा उत्तीर्ण की।
- 1841 में, इक्कीस वर्ष की आयु में, ईश्वर चंद्र संस्कृत विभाग के प्रमुख के रूप में फोर्ट विलियम कॉलेज में शामिल हुए।
- उन्होंने विधवा पुनर्विवाह की प्रथा को प्रोत्साहित किया तथा 1856 के विधवा पुनर्विवाह अधिनियम XV के लिए दबाव बनाया।
- उन्होंने बंगाली वर्णमाला का पुनर्निर्माण किया तथा बारह स्वरों और चालीस व्यंजनों की वर्णमाला में बंगाली टाइपोग्राफी में सुधार किया।
- उन्हें संस्कृत अध्ययन और दर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण 'विद्यासागर' अर्थात संस्कृत महाविद्यालय, कलकत्ता (जहाँ से उन्होंने स्नातक किया था) का ज्ञान प्राप्त किया।
- उन्होंने बाहुबिबाहा (**Bahubibaha**) और बिधाबा बिदहा (**Bidhaba Bidaha**) जैसी कई किताबें लिखीं। उन्होंने बंगाली अखबार सोम प्रकाश भी आरंभ किया।

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
ईश्वर चंद्र विद्यासागर यद्यपि एक संस्कृत विद्वान थे, फिर भी उनमें	19 वीं शताब्दी में विधवा पुनर्विवाह संघ के संस्थापक विष्णु शास्त्री	विद्यासागर ने भी महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा को बढ़ावा दिया।

पूर्वी और पश्चिमी विचारों का एक अच्छा मिश्रण था। संस्कृत कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में, उन्होंने पश्चिमी विचार के साथ-साथ गैर-ब्राह्मण छात्रों के लिए संस्कृत कॉलेज के द्वार खोले।	पंडित थे। संघ का मुख्य उद्देश्य विधवाओं को पुनर्विवाह करने के लिए प्रोत्साहित करना था। परिणामस्वरूप, वह विधवा विवाह आंदोलन में बहुत सक्रिय थे।	बेथ्यून स्कूल के सचिव के रूप में, उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने बाल विवाह और बहुविवाह के विरुद्ध भी संघर्ष किया।

Q.11) 1857 के विद्रोह की विफलता के निम्न में से कौन से कारण हैं?

1. सिपाहियों के मध्य योजना और समन्वय का अभाव।
2. ब्रिटिश सेना संगठन में श्रेष्ठ थी।
3. समाज के सभी वर्गों ने विद्रोह में भाग नहीं लिया।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.11) Solution (d)

1857 के विद्रोह की विफलता के कारण:

- विद्रोहियों के बीच कोई योजना नहीं थी। विभिन्न समूहों ने इसे अलग-अलग दिशाओं में खींच लिया। प्रमुख विद्रोही नेता - नाना साहेब, तात्यां टोपे, कुंवर सिंह, रानी लक्ष्मीबाई का अपने ब्रिटिश विरोधियों से नेतृत्व में कोई मुकाबला नहीं था।
- 1857 के विद्रोह में कमजोर नेतृत्व था।
- भारतीय विद्रोहियों के पास सीमित सैन्य आपूर्ति थी, उनके पास ब्रिटिश सेना जैसे परिष्कृत हथियारों और गोला-बारूद का अभाव था।
- अधिकांश रियासतों और बड़े जमींदारों ने 1857 के विद्रोह का समर्थन नहीं किया तथा सक्रिय रूप से अंग्रेजों का पक्ष लिया। उनके क्षेत्र किसी भी उपनिवेशवाद विरोधी विद्रोह से मुक्त रहे। शिक्षित मध्यम और उच्च वर्ग ज्यादातर विद्रोहियों के आलोचक थे।
- 1857 का विद्रोह मध्य भारत और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में केंद्रित रहा। यह दक्षिण भारत और अधिकांश पूर्वी और पश्चिमी भारत में नहीं फैला। मद्रास, बॉम्बे, बंगाल और पश्चिमी पंजाब विद्रोह प्रभाव से मुक्त रहे।

Q.12) कृषक आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. दिगंबर और बिष्णु विश्वास पाबना कृषि लीग से संबद्ध थे।
2. दक्कन के दंगों के परिणामस्वरूप सामाजिक बहिष्कार आंदोलन हुआ।
3. तेभागा आंदोलन फ्लाऊड आयोग की सिफारिशों के विरुद्ध था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही नहीं है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.12) Solution (b)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**सत्य**	**असत्य**
नील विद्रोह-किसानों का गुस्सा 1859 में फूटा, जब नादिया जिले के दिगंबर विश्वास और बिष्णु बिस्वास के नेतृत्व में, उन्होंने प्रतिरोध के कारण नील नहीं उगाने का फैसला किया तथा प्लांटर्स तथा पुलिस और न्यायालय द्वारा समर्थित उनके लठैतों के शारीरिक दबाव का विरोध किया।	पश्चिमी भारत के दक्कन क्षेत्र के रैयतों को रैयतवाड़ी प्रणाली के तहत भारी कराधान का सामना करना पड़ा। 1874 में, साहूकारों और किसानों के बीच बढ़ते तनाव के परिणामस्वरूप रैयतों द्वारा "बाहरी" साहूकारों के विरुद्ध सामाजिक बहिष्कार आंदोलन किया गया।	तेभागा आंदोलन-सितंबर 1946 में, बंगाल प्रांतीय किसान सभा ने बड़े पैमाने पर संघर्ष के माध्यम से, तेभागा संबंधी फ्लॉऊड आयोग की सिफारिशों को लागू करने का आह्वान किया - आधे हिस्से के बदले दो-तिहाई हिस्सा - बारगादारों को, जिन्हें बंटाईदार या अधियार के रूप में भी जाना जाता है।

Q.13) राजा राममोहन राय के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

a) उन्हें अकबर द्वितीय द्वारा 'राजा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
b) उन्हें पूर्व की पारंपरिक दार्शनिक प्रणाली के लिए बहुत प्यार और सम्मान था।
c) वे देश में आधुनिक पूंजीवाद और उद्योग की शुरूआत भी चाहते थे।
d) उन्होंने कलकत्ता में हिंदू कॉलेज की स्थापना की।

Q.13) Solution (d)

- राजा राम मोहन रॉय (1772 - 1833) को 'आधुनिक भारत का पिता' या 'बंगाल पुनर्जागरण के जनक' के रूप में जाना जाता है।
- वह सती, बहुविवाह, बाल विवाह, मूर्तिपूजा, जाति व्यवस्था के विरोधी थे तथा विधवा पुनर्विवाह का प्रचार करते थे एवं तर्कवाद और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर देते थे।
- उन्होंने अंग्रेजी में पश्चिमी वैज्ञानिक शिक्षा में भारतीयों को शिक्षित करने के लिए कई स्कूल आरंभ किए।
- वह हिंदू धर्म के कथित बहुवाद के खिलाफ थे। उन्होंने धर्मशास्त्रों में दिए गए एकेश्वरवाद की वकालत की। उन्होंने ईसाई धर्म और इस्लाम का भी अध्ययन किया।
- उन्होंने वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया। उन्होंने एक बंगाली साप्ताहिक समाचार पत्र संबाद कौमुदी की शुरुआत की, जिसने नियमित रूप से सती को बर्बर और हिंदू धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ बताया।
- 1828 में, उन्होंने ब्रहम सभा की स्थापना की, जिसे बाद में ब्रहम समाज का नाम दिया गया। उन्होंने आत्मीय सभा की भी स्थापना की थी। ब्रहमो समाज का मुख्य उद्देश्य सनातन (eternal) भगवान की पूजा था। यह पुरोहिती, अनुष्ठान और बलिदान के खिलाफ था। यह प्रार्थना, ध्यान और शास्त्रों के पढ़ने पर केंद्रित था।
- उन्होंने मुगल राजा अकबर शाह द्वितीय (बहादुर शाह के पिता) के दूत के रूप में इंग्लैंड का दौरा किया जहां उनकी एक बीमारी से मृत्यु हो गई। उन्हें अकबर II द्वारा 'राजा' की उपाधि से सम्मानित किया गया था।
- उनके प्रयासों से 1829 में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को समाप्त कर दिया।
- उनके पास पूर्व की पारंपरिक दार्शनिक प्रणाली के लिए बहुत प्यार और सम्मान था; लेकिन, साथ ही, उनका मानना था कि आधुनिक संस्कृति अकेले भारतीय समाज को पुनर्जीवित करने में मदद करेगी। विशेष रूप से, वह चाहते थे कि उनके देशवासी तर्कसंगत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सभी पुरुषों और महिलाओं की मानवीय गरिमा और सामाजिक समानता के सिद्धांत को स्वीकार करें।
- वह देश में आधुनिक पूंजीवाद और उद्योग की शुरूआत भी चाहते थे।
- राममोहन राय ने अपने देशवासियों को आधुनिक शिक्षा के लाभों का प्रसार करने के लिए बहुत कुछ किया। उन्होंने 1817 में हिंदू कॉलेज को खोजने के लिए डेविड हेयर के प्रयासों का समर्थन किया।

Q.14) निम्नलिखित में से किस संगठन का नाम बदलकर 'दक्षिण भारत का ब्रहम समाज' रखा गया था?

a) मानव धर्म सभा
b) वेद समाज
c) दक्कन एजुकेशन सोसायटी
d) साधरण ब्रहम समाज

Q.14) Solution (b)

- वेद समाज की स्थापना केशब चंद्र सेन और के. श्रीधरालु नायडू ने की थी, जब 1864 में मद्रास आए थे।
- के.श्रीधरालु नायडू ने बाद में ब्रहम समाज आंदोलन का अध्ययन करने के लिए कलकत्ता का दौरा किया तथा जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने 1871 में वेद समाज का नाम बदलकर 'दक्षिणी भारत का ब्रहम समाज' रख दिया।

Q.15) 1857 से पहले निम्न में से कौन सा विद्रोह हुआ था?

1. कोल विद्रोह
2. रम्पा विद्रोह
3. संथाल विद्रोह

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1 और 2
b) केवल 1 और 3
c) केवल 2 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.15) Solution (b)

- कोल विद्रोह, जिसे ब्रिटिश भारतीय अभिलेखों कोल विप्लव के रूप में भी जाना जाता है, क्योंकि यह 1829-1839 के दौरान छोटा नागपुर के स्वदेशी कोल लोगों का विद्रोह था, जो कि क्षेत्र में ब्रिटिश शक्तियों द्वारा आरंभ भूमि कार्यकाल तथा प्रशासन की प्रणालियों द्वारा किए गए अनुचित व्यवहार की प्रतिक्रिया थी।
- संथाल हूल (विद्रोह) वर्तमान झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के क्षेत्रों में अंग्रेजों और जमींदारी व्यवस्था के विरुद्ध 1855 से 1856 तक हुआ, जिसे अंग्रेजों ने कुचल दिया था। पहला विद्रोह 1854 में लछिमपुर में सासन के बीर सिंह के नेतृत्व में हुआ था। दूसरा विद्रोह जून 1855 में शुरू हुआ, जब दो भाइयों सिद्धू और कान्हू ने 10000 संथालों को एकत्रित किया और विद्रोह की घोषणा की।
- 1879 का रंपा विद्रोह (इसे 1922-24 के रंपा विद्रोह से अलग करने के लिए प्रथम रंपा विद्रोह के रूप में भी जाना जाता है) मद्रास प्रेसीडेंसी में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ विजागापट्टम जिले के विजागापट्टम पहाड़ी क्षेत्र के रम्पा क्षेत्र में पहाड़ी जनजातियों द्वारा विद्रोह था।
- 1922 का रम्पा विद्रोह, जिसे मान्यम विद्रोह (Manyam Rebellion) के रूप में भी जाना जाता है, एक आदिवासी विद्रोह था, जिसका नेतृत्व ब्रिटिश भारत की मद्रास प्रेसिडेंसी की गोदावरी क्षेत्र में अल्लूरी सीताराम राजू ने किया था। यह अगस्त 1922 में शुरू हुआ तथा मई 1924 में राजू को पकड़ने और मारने तक चला।

Q.16) विधवाओं के लिए भारत का प्रथम स्कूल किसके द्वारा स्थापित किया गया था

a) सावित्रीभाई फुले
b) रमाबाई रानाडे
c) पार्वतीबाई अठावले
d) महर्षि कर्वे

Q.16) Solution (d)

- धोंडो केशव कर्वे एक प्रसिद्ध भारतीय समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपना जीवन महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में समर्पित कर दिया। इसके कारण, उन्होंने महान संत 'महर्षि' का सम्मान अर्जित किया तथा उन्हें महर्षि कर्वे के नाम से जाना जाने लगा।
- 1896 में, उन्होंने विधवाओं के लिए पहला स्कूल स्थापित किया। हिंदू विधवाओं का गृह संघ एक आश्रय और विधवाओं के लिए एक विद्यालय था। उनकी 20 वर्षीय विधवा भाभी पार्वतीबाई अठावले स्कूल की पहली छात्रा थीं।
- स्कूल पुणे शहर के बाहर हिंगेन के सुदूर गांव में स्थित था। दूरस्थ स्थान को इसलिए चुना गया क्योंकि पुणे में रूढ़िवादी ब्राह्मण समुदाय ने विधवा पुनर्विवाह और शिक्षा का समर्थन करने के लिए उन्हें बहिष्कृत कर दिया था। इसके अलावा, उन्होंने उस समय एक विधवा से शादी करने का साहस भी किया था।
- श्रीमती नाथीबाई दामोदर महिला विश्वविद्यालय, भारत में पहला महिला विश्वविद्यालय, 2 छात्रों के नामांकन के साथ 2 जुलाई, 1916 को शुरू हुआ। इसे डॉ. धोंडो केशव कर्वे द्वारा स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य अधिक महिलाओं को शिक्षित करना था।

Q.17) निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

	1857 के विद्रोह का स्थान	**नेतृत्वकर्ता**
1.	कानपूर	कुंवर सिंह
2.	लखनऊ	बेगम हज़रत महल
3.	बिहार	खान बहादुर खान
4.	बागपत	शाह मल

ऊपर दिए गए जोड़े में से कौन सा सही तरीके से सुमेलित है?

a) केवल 2 और 4

b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 4
d) केवल 1, 2 और 3

Q.17) Solution (a)

- कानपुर में, मुख्य नेता नाना साहेब थे, जो अंतिम पेशवा, बाजी राव द्वितीय के दत्तक पुत्र थे। उन्हें परिवार की उपाधि से वंचित कर दिया गया तथा पूना से हटा दिया गया था, जो कानपुर के पास रह रहे थे।
- बेगम हजरत महल ने लखनऊ में नेतृत्व किया, जहां 4 जून, 1857 को विद्रोह हुआ और अपदस्थ नवाब के पक्ष में लोकप्रिय सहानुभूति थी।
- बिहार में विद्रोह का नेतृत्व जगदीशपुर के जमींदार कुंवर सिंह ने किया।
- परगना बड़ौत (बागपत, उत्तर प्रदेश) के एक स्थानीय ग्रामीण, शाह मल का नाम सबसे उल्लेखनीय है। उन्होंने 84 गाँवों के प्रधानों और किसानों को (चौरासी देस के रूप में संदर्भित) को एकत्रित किया, रात को गाँव से गाँव तक पैदल मार्च करते हुए लोगों से ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ विद्रोह करने का आग्रह किया।

Q.18) महादेव गोविंद रानाडे निम्नलिखित में से किस संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण थे?

1. पूना सर्वजननिक सभा
2. भारतीय राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन (Indian National Social Conference)
3. भारतीय राष्ट्रीय संघ (Indian National Association)

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

a) केवल 1
b) केवल 1 और 2
c) केवल 2 और 3
d) 1,2 और 3

Q.18) Solution (b)

- एक प्रसिद्ध वकील और बॉम्बे प्रेसीडेंसी के विद्वान महादेव गोविंद रानाडे भी एक उत्सुक समाज सुधारक थे। उन्होंने 1870 में पूना में पूना सार्वजनिक सभा के गठन में एक प्रमुख भूमिका निभाई।
- भारतीय (राष्ट्रीय) सामाजिक सम्मेलन की स्थापना एम.जी. रानाडे और रघुनाथ राव ने की थी। यह वस्तुतः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सामाजिक सुधार प्रकोष्ठ था। इसका पहला सत्र दिसंबर 1887 में मद्रास में आयोजित किया गया था।

- यह सम्मेलन समान स्थान पर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एक सहायक सम्मेलन के रूप में प्रतिवर्ष मिलता था, तथा सामाजिक सुधार पर ध्यान केंद्रित करता था। सम्मेलन ने अंतर्जातीय विवाह की वकालत की तथा कुलीनवाद और बहुविवाह का विरोध किया। इसने बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रसिद्ध "प्रतिज्ञा आंदोलन" (Pledge Movement) आरंभ किया।
- इंडियन नेशनल एसोसिएशन जिसे इंडियन एसोसिएशन के नाम से भी जाना जाता है, 1876 में सुरेन्द्रनाथ बनर्जी और आनंद मोहन बोस द्वारा ब्रिटिश भारत में स्थापित पहला राष्ट्रवादी संगठन था।

Q.19) ब्रिटिश शासन के दौरान निम्नलिखित शिक्षा आयोगों के गठन पर विचार करें:

1. हंटर शिक्षा आयोग
2. रैले आयोग
3. सैडलर विश्वविद्यालय आयोग

उपरोक्त में से किसने प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा के संबंध में सिफारिशें दीं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 1 और 3
d) 1, 2 और 3

Q.19) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
सत्य	**असत्य**	**सत्य**
1882 में, सरकार ने डब्ल्यू.डब्ल्यू. हंटर की अध्यक्षता में एक आयोग की नियुक्ति की जिसका कार्य 1854 से देश में शिक्षा की प्रगति की समीक्षा करना था। हंटर आयोग ने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए अपनी सिफारिशें दीं।	1902 में, रैले आयोग की स्थापना भारत में विश्वविद्यालयों की स्थितियों और संभावनाओं को जानने तथा उनके संविधान और कार्य में सुधार के उपायों के सुझाव के लिए की गई थी। आयोग को प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा पर रिपोर्ट करने से रोका गया था।	कलकत्ता विश्वविद्यालय की समस्याओं पर अध्ययन और रिपोर्ट करने के लिए सैडलर विश्वविद्यालय आयोग (1917-19) की स्थापना की गई थी, लेकिन इसकी सिफारिशें कमोबेश अन्य विश्वविद्यालयों में भी लागू थीं। इसमें स्कूली शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय शिक्षा तक के पूरे क्षेत्र की समीक्षा की गई। यह विचार है कि विश्वविद्यालय शिक्षा में

		सुधार के लिए, माध्यमिक शिक्षा में सुधार एक आवश्यक पूर्व शर्त थी।

Q.20) सामाजिक-धार्मिक आंदोलनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. वहाबी आंदोलन अपने दृष्टिकोण में सुधारवादी था।
2. फ़रैज़ी आंदोलन का उद्देश्य मुसलमानों के मध्य वर्तमान सामाजिक नवाचार को बढ़ावा देना था।
3. देवबंद स्कूल ने अलीगढ़ आंदोलन और उसके सिद्धांतों का विरोध किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

a) केवल 1 और 2
b) केवल 2 और 3
c) केवल 3
d) 1, 2 और 3

Q.20) Solution (c)

कथन 1	**कथन 2**	**कथन 3**
असत्य	**असत्य**	**सत्य**
वहाबी आंदोलन एक पुनरुत्थानवादी आंदोलन था जिसने उन सभी गैर-इस्लामी प्रथाओं को समाप्त करके इस्लाम को शुद्ध करने की कोशिश की थी, जो मुस्लिम समाज में युगों से चली आ रही थी। इसने 1830 से 1860 तक भारत में ब्रिटिश वर्चस्व के लिए सबसे गंभीर और सुनियोजित चुनौती प्रस्तुत की	फ़रैज़ी आंदोलन, जिसे फ़रीदी आंदोलन भी कहा जाता है, क्योंकि यह विश्वास के इस्लामिक स्तंभों पर जोर देने के कारण, 1818 में हाजी शरियातुल्ला द्वारा स्थापित किया गया था। इसकी कार्रवाई का क्षेत्र पूर्वी बंगाल था, तथा यह सामाजिक नवाचारों के उन्मूलन के उद्देश्य से था या मुसलमानों के बीच गैर इस्लामी प्रथाओं के उन्मूलन से था तथा ये मुसलमानों के रूप में अपने कर्तव्यों पर अपना ध्यान आकर्षित करते थे।	देवबंद स्कूल ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन का स्वागत किया तथा 1888 में सैयद अहमद खान के संगठनों, यूनाइटेड पैट्रियटिक एसोसिएशन और मोहम्मद एंग्लो-ओरिएंटल एसोसिएशन के खिलाफ फतवा (धार्मिक फरमान) जारी किया।

Q.21) 'क्रय प्रबंधक सूचकांक' (Purchasing Managers' Index) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह शीर्ष दस भारतीय विनिर्माण कंपनी के शेयरों के भारित औसत का प्रतिनिधित्व करता है।
2. इसका स्वामित्व और प्रबंधन भारत इंडेक्स सर्विसेज एंड प्रोडक्ट्स (IISL) द्वारा किया जाता है, जो NSE स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.21) Solution (d)

पीएमआई या क्रय प्रबंधक सूचकांक (PMI) व्यावसायिक गतिविधियों- दोनों विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों का एक संकेतक है। यह एक सर्वेक्षण-आधारित उपाय है जो उत्तरदाताओं से महीने के पहले कुछ प्रमुख व्यावसायिक चर (key business variables) की अपनी धारणा में बदलाव के बारे में पूछता है। इसकी गणना विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग की जाती है तथा फिर एक समग्र सूचकांक का निर्माण किया जाता है।

भारत के लिए, पीएमआई डेटा जापानी फर्म **निक्केई (Nikkei)** द्वारा प्रकाशित किया गया है लेकिन यह मार्किट इकोनॉमिक्स (अमेरिका के लिए, यह आईएसएम है) द्वारा संकलित और निर्मित किया गया है। एक विनिर्माण पीएमआई और एक सेवा पीएमआई दोनों द्वारा तैयार और प्रकाशित किया जाता है।

Q.22) 'संसद में विपक्षी दल एवं विपक्ष के नेता' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. विपक्ष के नेता का पद, संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन एवं भत्तों अधिनियम, 1977 में परिभाषित किया गया है।
2. मावलंकर नियम के अनुसार, मुख्य विपक्षी दल की सदस्य संख्या (strength), आधिकारिक तौर पर इस प्रकार से मान्यता प्राप्त होना कि, वह सदन के कोरम के बराबर होना चाहिए।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.22) Solution (c)

भारतीय संसद के सदनों में विपक्ष का नेता एक वैधानिक पद होता है। यह पद संसद के विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्तों अधिनियम, 1977 में परिभाषित किया गया है, जो सरकार के विपक्ष में संख्यात्मक रूप से सबसे बड़ी पार्टी के नेता के रूप में और अध्यक्ष / सभापति से मान्यता प्राप्त है:

- **परिभाषा** — इस अधिनियम में, "विपक्ष के नेता", संसद के किसी भी सदन के संबंध में, इसका अर्थ है कि राज्य सभा या लोक सभा के सदस्य, जैसा भी मामला हो, जो इस समय के लिए हो, सरकार के विपक्ष में पार्टी के उस सदन में नेता सबसे बड़ी संख्यात्मक शक्ति रखते हैं तथा इस तरह के मामलों के रूप में राज्य सभा के सभापति या लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- **स्पष्टीकरण** — जहाँ सरकार के विपक्ष में दो या दो से अधिक दल हों, राज्य सभा में या लोक सभा में, राज्य सभा के सभापति या लोक सभा के अध्यक्ष , जैसा कि मामला हो सकता है, दलों की स्थिति के संबंध में, इस तरह के दलों के नेताओं में से किसी एक को इस खंड के उद्देश्यों के लिए विपक्ष के नेता के रूप में चिन्हित करता है तथा ऐसी मान्यता अंतिम और निर्णायक होगी।

1969 तक भारत में विपक्ष का नेता नहीं था। पहले तीन लोकसभा चुनावों में, पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस का व्यापक प्रभाव था। नेहरू की कांग्रेस ने 1951-52, 1957 और 1962 के लोकसभा चुनाव भारी बहुमत से जीते और मुख्य विपक्षी दल लगातार 10 प्रतिशत सीटें जीतने में असफल रहे।

पहले लोकसभा अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर द्वारा 10 प्रतिशत नियम का उल्लेख किया गया था। मावलंकर ने लोकसभा में फैसला किया था कि मुख्य विपक्षी दल की सदस्य संख्या को आधिकारिक रूप से मान्यता दी जानी चाहिए, जो सदन के कोरम के बराबर होना चाहिए। कोरम 10 प्रतिशत सदस्यों के बराबर होता है।

Q.23) 'बाल्टिक ड्राई इंडेक्स (Baltic Dry Index- BDI)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. बाल्टिक ड्राई इंडेक्स (बीडीआई) एक माप उपाय है, जो कच्चे माल को जहाज में परिवहन करने पर लागत आती है।
2. यह अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO) द्वारा दैनिक रूप से संकलित किया जाता है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.23) Solution (a)

बाल्टिक ड्राई इंडेक्स (BDI) लंदन स्थित बाल्टिक एक्सचेंज द्वारा दैनिक आधार पर बनाया गया एक शिपिंग और ट्रेड इंडेक्स है (अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन द्वारा नहीं)। यह विभिन्न कच्चे माल, जैसे कोयला और स्टील के परिवहन की लागत में बदलाव को मापता है।

बाल्टिक ड्राई इंडेक्स के मूल्य में आमतौर पर वृद्धि हो जाती है, जब वस्तुओं और कच्चे माल की मांग बढ़ जाती है तथा मूल्य में कमी होती है, जब वस्तुओं और कच्चे माल की मांग घट जाती है।

Q.24) 'मियावकी' (Miyawaki) पद्धति, शब्द हाल ही में समाचारों में था। यह किसके साथ संबद्ध है

a) समुद्री जल का विलवणीकरण
b) वनीकरण
c) शून्य बजट प्राकृतिक खेती (Zero Budget Natural Farming)
d) शैवाल प्रस्फुटन (Algal Bloom)

Q.24) Solution (b)

मियावाकी (Miyawaki) थोड़े समय में घने वृक्षारोपण की एक जापानी तकनीक है।

विधि का नामकरण - अकीरा मियावाकी एक जापानी वनस्पतिशास्त्री और पादप पारिस्थितिकी विशेषज्ञ थे, उन्हें बीज अध्ययन में विशेषज्ञता तथा प्राकृतिक वनों का अध्ययन किया था। वह निम्नीकृत भूमि पर प्राकृतिक वनस्पति की बहाली में एक विशेषज्ञ के रूप में विश्व भर में सक्रिय है।

Q.25) 'विश्व आर्थिक आउटलुक (WEO)' किसके द्वारा प्रकाशित किया गया है

a) विश्व व्यापार संगठन
b) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
c) विश्व आर्थिक मंच
d) विश्व बैंक

Q.25) Solution (b)

विश्व आर्थिक आउटलुक (WEO) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक रिपोर्ट है, जो अपने सदस्य देशों में आईएमएफ के आर्थिक विकास और नीतियों की निगरानी के प्रमुख हिस्सों का विश्लेषण करती है। यह वैश्विक वित्तीय बाजारों और आर्थिक प्रणालियों के विकास को भी प्रोजेक्ट करता है।

- आईएमएफ द्वारा वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (Global Financial Stability Report) भी जारी की गई है।
- आईएमएफ द्वारा फिस्कल मॉनिटर (Fiscal Monitor) भी प्रकाशित किया जाता है।

Q.26) निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही रूप से सुमेलित है / हैं?

संरक्षित क्षेत्र — **राज्य**

1. कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य - कर्नाटक
2. पराम्बिकुलम टाइगर रिजर्व - केरल
3. अमराबाद टाइगर रिजर्व - तेलंगाना

सही कूट का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) उपरोक्त सभी

Q.26) Solution (b)

- कौंडिन्य वन्यजीव अभयारण्य - आंध्र प्रदेश
- पराम्बिकुलम टाइगर रिजर्व - केरल
- अमराबाद टाइगर रिजर्व - तेलंगाना

Q.27) 'कोर निवेश कंपनियों (CICs)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. एक कोर निवेश कंपनी एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NBFC) है, जो शेयरों और प्रतिभूतियों के अधिग्रहण के व्यवसाय पर काम करती है।
2. इस समूह की कंपनियां इक्विटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बांडों, डिबेंचर, ऋण या उधार में निवेश के रूप में अपनी शुद्ध संपत्ति का 90 प्रतिशत से कम नहीं रखती हैं।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.27) Solution (c)

कोर निवेश कंपनियां गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) हैं, जो कि इक्विटी शेयरों, वरीयता शेयरों, बांडों, डिबेंचर, ऋण या समूह कंपनियों के ऋण में निवेश के रूप में अपनी शुद्ध संपत्ति का 90% से कम नहीं रखते हैं।

समूह की कंपनियों में आगे निवेश इक्विटी शेयरों में अपनी शुद्ध संपत्ति का 60 प्रतिशत से कम नहीं होता है।

https://www.thehindu.com/business/rbi-sets-up-panel-to-review-cics/article28275384.ece

Q.28)) 'क्लेरियन-क्लिपर्टन जोन' (Clarion-Clipperton Zone) कहाँ स्थित है

a) प्रशांत महासागर
b) हिंद महासागर
c) अटलांटिक महासागर
d) आर्कटिक महासागर

Q.28) Solution (a)

क्लिपर्टन फ्रैक्चर जोन (Clipperton Fracture Zone), जिसे क्लेरियन-क्लिपर्टन जोन (Clarion-Clipperton Zone) के रूप में भी जाना जाता है, 7240 किमी की लंबाई के साथ, प्रशांत महासागर का एक भूवैज्ञानिक संबंधी जलमग्न फ्रैक्चर ज़ोन है। 2016 में, क्लिपर्टन फ्रैक्चर ज़ोन में सीफ्लोर - गहरे समुद्र में खनन के लिए लक्षित किया जाने वाला एक क्षेत्र - जिसमें जीवन की बहुतायत और विविधता मिलीं, जिसमें से आधे से अधिक प्रजातियां विज्ञान के लिए नई थीं, पाया गया। ज़ोन को कभी-कभी, ज़ोन के उत्तरी किनारे पर क्लेरियन द्वीप के संदर्भ में क्लेरियन-क्लिपर्टन फ्रैक्चर ज़ोन (CCFZ) के रूप में संदर्भित किया जाता है।

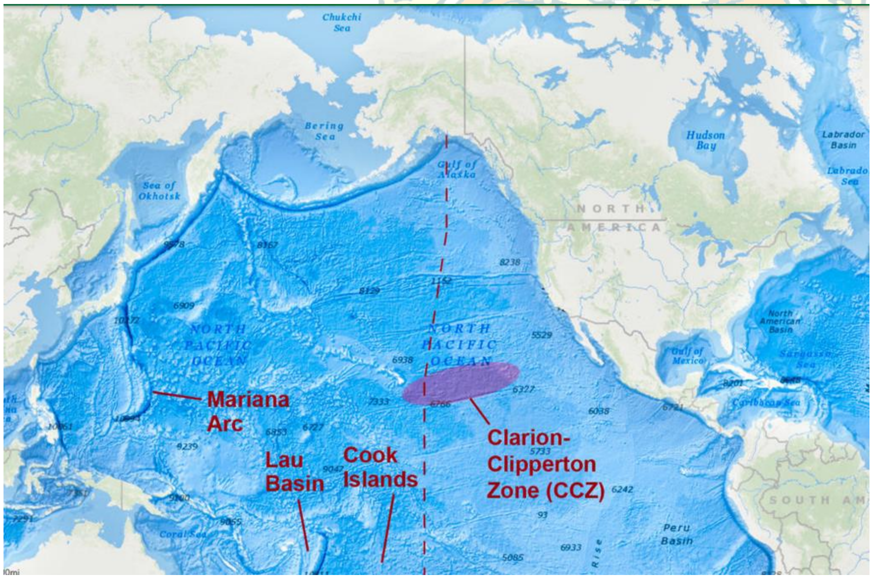

Q.29) 'इंटरनेशनल चार्टर स्पेस एंड मेजर डिजास्टर्स' (International Charter Space and Major Disasters) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. केवल एजेंसियां जो कि उपग्रह आधारित पृथ्वी अवलोकन डेटा रखती है और प्रदान करने में सक्षम हैं, अंतर्राष्ट्रीय चार्टर की सदस्य हो सकती हैं।
2. इंटरनेशनल चार्टर स्पेस एंड मेजर डिजास्टर्स के लिए हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, कोई भी सदस्य देश चार्टर को सक्रिय (activate) करने के लिए 'अनुरोध' भेज सकता है।

सही कथनों का चयन करें

a) कथन 1
b) कथन 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.29) Solution (c)

इंटरनेशनल चार्टर "स्पेस एंड मेजर डिजास्टर्स" एक गैर-बाध्यकारी चार्टर है, जो प्रमुख आपदाओं की स्थिति में राहत संगठनों के लिए अंतरिक्ष उपग्रह डेटा के धर्मार्थ और मानवीय पुन: कार्य अधिग्रहण और प्रसारण के लिए प्रदान करता है।

जुलाई 1999 में ऑस्ट्रिया के वियना में आयोजित UNISPACE III सम्मेलन के बाद यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी CNES द्वारा आरंभ किया गया था, यह आधिकारिक तौर पर 1 नवंबर 2000 को कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा 20 अक्टूबर 2000 को चार्टर पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद परिचालन में आया।

उनकी अंतरिक्ष संपत्ति तब क्रमश: ERS और ENVISAT, SPOT और Formosat और RADARSAT थी।

'द इंटरनेशनल चार्टर स्पेस एंड मेजर डिजास्टर्स' के हस्ताक्षरकर्ताओं के रूप में, 32 सदस्य देशों में से कोई भी चार्टर को सक्रिय करने के लिए 'अनुरोध' भेज सकता है। यह तुरंत समन्वयकों द्वारा अन्य देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों के लिए एक अनुरोध को कहेगा, जिनके उपग्रहों की आपदा स्थल पर सबसे अच्छी पहुँच हैं।

केवल एजेंसियां जो कि उपग्रह आधारित पृथ्वी अवलोकन डेटा प्रदान करने में सक्षम हैं और अंतर्राष्ट्रीय चार्टर की सदस्य हो सकती हैं। सदस्य स्वैच्छिक आधार पर सहयोग करते हैं। प्रत्येक सदस्य एजेंसी ने अंतरिक्ष-व्युत्पन्न डेटा और उत्पाद प्रदान करके चार्टर का समर्थन करने के लिए संसाधन किए हैं। सदस्य रोटेशन द्वारा सचिवालय की भूमिकाओं को लेते हैं तथा सक्रियता के लिए परियोजना प्रबंधकों के रूप में कार्य करते हैं।

https://www.thehindu.com/news/national/other-states/china-russia-france-share-satellite-data-on-assam-floods/article28726001.ece

Q.30) 'जिब्राल्टर जलडमरूमध्य' (Strait of Gibraltar) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह टायरेनियन सागर को इयोनियन सागर से जोड़ती है।
2. यह फ्रांस और अल्जीरिया को अलग करती है।

सही कथनों का चयन करें

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (d)

जिब्राल्टर जलडमरूमध्य, एक संकीर्ण जलडमरूमध्य है, जो अटलांटिक महासागर को भूमध्य सागर से जोड़ती है तथा जिब्राल्टर यूरोप के प्रायद्वीपीय स्पेन को अफ्रीका के मोरक्को से अलग करती है।

https://www.thehindu.com/news/international/iran-tried-to-seize-british-oil-tanker-report/article28367446.ece

Copyright © by IASbaba

All rights are reserved. No part of this document may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior permission of IASbaba.